मासिक ई-समाचार पत्रिका

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय

पूसा, समस्तीपुर, बिहार-848125

कुलपति महोदय का संदेश

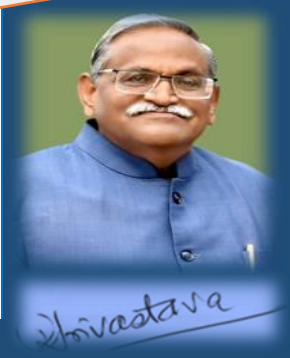

डॉ. रमेश चन्द्र श्रीवास्तव
(कुलपति)

सितंबर माह शैक्षणिक और प्रसार की दृष्टि से विभिन्न क्रियाकलापों से परिपूर्ण रहा जिसमे विश्वविद्यालय द्वारा मनाया गया हिंदी पखवाड़ा उत्सव विशेष रूप सराहनीय रहा । मुझे पूर्ण विश्वास है कि, विश्वविद्यालय में हिंदी भाषा के बहु-प्रयोग से 'किसानों तक कृषि अनुसंधान और नवाचार सम्बंधित वैज्ञानिक जानकारीयों को स्थानांतरित करने के हमारे उद्देश्य को सफल बनाने में मदद मिलेगी, परिणामस्वरूप, किसान विश्वविद्यालय के प्रयोगशालाओं में उत्पन्न प्रौद्योगिकियों को बेहतर ढंग से समझ एवं अपना सकेंगे । मैं व्यक्तिगत रूप से यह मानता हूं कि यदि अनुसन्धान के परिणाम जरूरतमंदो/प्राप्तकर्ताओं तक नहीं पहुंचते हैं तो उनका महत्व प्रभावी सिद्ध नहीं हो पाता है। अतः मैं, अपने सभी वैज्ञानिकों से इस विषय पर ध्यान देने और हिंदी भाषा को किसानों के साथ अक्षरशः संवाद का प्रभावी माध्यम बनाने की अपील करता हूं। इससे उनके शोध एवं अनुसन्धान कार्यों के मूल्य एवं प्रतिष्ठा दोनों की सार्थकता सिद्ध होगी ।

मुझे यह सूचित करते हुए अपार हर्ष हो रहा है, कि भारत के माननीय उपराष्ट्रपति, श्री एम वेंकैया नायडू जी ने 7 नवंबर 2021 को होने वाले विश्वविद्यालय के दूसरे दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में अपनी उपस्थिति को सहमति दे दी है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह दीक्षांत समारोह कार्यक्रम सब के सहयोग और प्रतिबद्धता से सफल रहेगा ।

कुलपति महोदय की संलग्नता

- दिनांक 01.09.2021 को औषधीय मशरूम के व्यावसायीकरण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया।
- दिनांक 01.09.2021 को वर्चुअल मोड में "फल विज्ञान अनुसंधान : प्रगति और संभावनाएँ" विषय पर डिजिटल प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया।
- दिनांक 02.09.2021 को स्काइप के माध्यम से "सुखेत मॉडल" पर प्रसार भारती समाचार सेवा पर साक्षात्कार दिया ।
- दिनांक 02.09.2021 को वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से बिहार वाटरशेड विकास समिति की शासी परिषद की बैठक में भाग लिया।
- दिनांक 02.09.2021 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से "राष्ट्रीय कृषि विकास योजना" के तहत प्रस्तावित परियोजना प्रस्ताव की समीक्षा बैठक में भाग लिया।
- दिनांक 02.09.2021 को मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण केंद्र, रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा में "श्री गुरुदक्षिणा उत्सव" में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।
- दिनांक 03.09.2021 को वर्चुअल मोड में एक वर्षीय सर्टिफिकेट कोर्स के ओरिएंटेशन-कम-लॉन्चिंग प्रोग्राम का उद्घाटन किया।
- दिनांक 03.09.2021 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से "राष्ट्रीय कृषि विकास योजना" के तहत राज्य स्तरीय अनुमोदन समिति की बैठक में भाग लिया।
- दिनांक 04.09.2021 को रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा की प्रसार शिक्षा परिषद की बैठक की अध्यक्षता की।
- दिनांक 06.09.2021 को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य कृषि यंत्रीकरण योजना के अंतर्गत स्वरोजगार उत्पन्न करने के लिए कृषि यंत्रों की मरम्मत हेतु आवासीय प्रशिक्षण योजना वर्ष 2021-22 के उद्घाटन सत्र में भाग लिया।
- दिनांक 07.09.2021 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से गन्ना अनुसंधान एवं प्रसार परिषद की बैठक का उद्घाटन किया।
- दिनांक 07.09.2021 को बिहार के माननीय राज्यपाल से मिलकर उन्हें रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा के दूसरे दीक्षांत समारोह के लिए आमंत्रित किया।
- दिनांक 08.09.2021 को गिरिराज सिंह फैन्स क्लब, मुजफ्फरपुर, बिहार के तत्वावधान में मुजफ्फरपुर में रक्तदान शिविर एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम का उद्घाटन किया।
- 09.09.2021 को वर्चुअल मोड में "एग्रोकेमिकल्स में भारत की प्रतिस्पर्धात्मकता का निर्माण" पर सी.आई.आई. सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में भाग लिया।
- रा.प्र.के.कृ.वि द्वारा दिनांक 09.09.2021 को आयोजित "हिंदी पखवाड़ा" कार्यक्रम का उद्घाटन किया।
- दिनांक 13.09.2021 को प्रशिक्षण हॉल, बीज एवं फार्म निदेशालय, ढोली में फार्म मैनेजर एवं फार्म तकनीकी कर्मचारियों के लिए "बीज उत्पादन, भंडारण एवं प्रसंस्करण" विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया।
- दिनांक 14.09.2021 को "फसल-पशुधन-मत्स्य पालन प्रौद्योगिकियों के माध्यम से महिला कृषि उद्यमिता को बढ़ावा" विषय पर भ.कृ.अनु.प.- केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान और मैनेज ऑनलाइन द्वारा आयोजित कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।
- दिनांक 16.09.2021 को प्रोफेसर जयशंकर तेलंगाना राज्य कृषि विश्वविद्यालय, हैदराबाद में बागवानी सहित कृषि में जल उत्पादकता बढ़ाने के लिए अभिनव दृष्टिकोण पर वैश्विक सम्मेलन के दौरान चाय (CHAI)- मानद फेलो अवार्ड 2021 से सम्मानित।
- दिनांक 17.09.2021 को रा.प्र.के.कृ.वि के दूसरे दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि की सहमति का धन्यवाद ज्ञापन करने के लिए भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री एम. वेंकैया नायडू जी से शिष्टाचार भेंट की ।
- दिनांक 20.09.2021 को "कृषि में वर्तमान और भविष्य की चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए कृषि विज्ञान अनुसंधान और शिक्षा की पुनर्रचना" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया।
- दिनांक 20.09.2021 को विद्यापति सभागार, रा.प्र.के.कृ.वि, पूसा में कविता संगोष्ठी का उद्घाटन किया।
- दिनांक 22.09.2021 को सेंटर फॉर एजुकेशन ग्रोथ एंड रिसर्च, नई दिल्ली द्वारा आयोजित कुलपति कॉन्क्लेव में भाग लिया और मुख्य भाषण दिया।
- दिनांक 23.09.2021 को माननीय कृषि मंत्री, बिहार सरकार, से मिलकर उन्हें रा.प्र.के.कृ.वि, पूसा के दूसरे दीक्षांत समारोह के लिए आमंत्रित किया।

खंड -2, अंक -10
अक्टूबर, 2021

संरक्षक :

डॉ. रमेश चन्द्र श्रीवास्तव
(कुलपति)

संकलन एवं संपादन :

डॉ.
(राकेश मणि शर्मा,
पी. कु. प्रणव,
एम.एल. मीणा
कुमारी सपना
आशीष कु.पंडा
सुधा नंदनी
गुप्तनाथ त्रिवेदी)

तकनीकी सहयोग:
मनीष कुमार

मुद्रण:

प्रकाशन प्रभाग,
डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय
कृषि विश्वविद्यालय, पूसा

संपर्क:

www.rpcau.ac.in

publicationdivision@rpcau.ac.in

- माननीय जल संसाधन मंत्री, बिहार सरकार, से मुलाकात की और उन्हें 23.09.2021 को रा. प्र. के. कृ. वि, पूसा के द्वितीय दीक्षांत समारोह के लिए आमंत्रित किया।
- दिनांक 24.09.2021 को रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा द्वारा आयोजित "हिंदी पखवाड़ा" के समापन समारोह की अध्यक्षता की।
- दिनांक 28.09.2021 को NASC कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली में कृषि विश्वविद्यालयों के वार्षिक कुलपति सम्मेलन में भाग लिया
- दिनांक 29.09.2021 को नागरिक उड्डयन मंत्रालय, नई दिल्ली के संयुक्त सचिव से मुलाकात की और निजी एयरलाइंस द्वारा यात्रा के लिए कंबल छूट के संबंध में चर्चा की।
- दिनांक 29.09.2021 को पी.जी. कृषि अभियांत्रिकी में छात्रों को आकर्षित करने के उपाय सुझाने के लिए गठित समिति की अध्यक्षता की।
- दिनांक 29.09.2021 को ISAE सदस्यों को फेलो अवार्ड्स 2020 के लिए चयन समिति की बैठक की अध्यक्षता की।
- दिनांक 30.09.2021 को पर "व्यवहार विज्ञान में मात्रात्मक अनुसंधान पद्धति" विषय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की अध्यक्षता की।
- दिनांक 30.09.2021 को ऑनलाइन मोड में बिहार में फार्म मशीन मरम्मत और रखरखाव सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षण कार्यशाला की अध्यक्षता की।
- दिनांक 30.09.2021 को "पोषण माह 2021" के उत्सव की पूर्व संध्या पर फलों के पौधे लगाए।

शिक्षा और शैक्षिक गतिविधियां:

➢ दिनांक 03.09.2021 को पी.जी. डिप्लोमा प्रोग्राम और सर्टिफिकेट कोर्स का शुभारंभ

पी.जी. डिप्लोमा प्रोग्राम और सर्टिफिकेट कोर्स के पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी की गई और कुल 66 छात्रों ने विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश लिया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. त्रिलोचन महापात्रा, सचिव, डेयर और महानिदेशक, भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली की अध्यक्षता में किया गया, जिसमें डॉ. आर.सी. अग्रवाल, डी.डी.जी. (शिक्षा), भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली और डॉ. पंकज मित्तल, महासचिव, ए.आई.यू. भी उपस्थिति रहे।

➢ दिनांक 09.09.2021 से 24.09.2021 तक हिंदी पखवाड़ा का आयोजन

विश्वविद्यालय में हिंदी भाषा को बढ़ावा देने के लिए दिनांक 09.09.2021 से 24.09.2021 तक हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया गया इस दौरान विभिन्न महाविद्यालयों के हिंदी और गैर-हिंदी भाषी छात्रों के मध्य वाद-विवाद, निबंध प्रतियोगिता, सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता, पेंटिंग और अन्य गतिविधियों का आयोजन किया गया। साथ ही शिक्षकों के लिए तकनीकी लेखन और कमेंट्री प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 24 सितंबर, 2021 को विद्यापति सभागार, रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा में माननीय कुलपति द्वारा प्रमाण पत्र और पुरस्कार वितरित किए गए।

➢ कृषि स्नातकोत्तर महाविद्यालय द्वारा डिजिटल प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

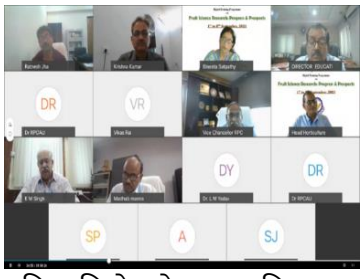

बागवानी विभाग, कृषि स्नातकोत्तर महाविद्यालय ने 01-08 सितंबर, 2021 के दौरान "फल विज्ञान अनुसंधान: प्रगति और संभावनाएं" पर एन.ए.एच.ई.पी. प्रायोजित डिजिटल प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय कुलपति, डॉ. आर.सी श्रीवास्तव, अधिष्ठाता, कृषि स्नातकोत्तर महाविद्यालय सहित अधिष्ठाता, पंडित दीनदयाल उपाध्याय बागवानी और वानिकी महाविद्यालय और नोडल अधिकारी, एन.ए.एच.ई.पी. ने उद्घाटन सत्र में प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों के रूप में भाग लिया। लगभग 310 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया और कार्यक्रम में भाग लिया। तकनीकी सत्र में फल विज्ञान अनुसंधान के कई नवीनतम और उभरते विषयों पर 14 विभिन्न व्याख्यान शामिल किये गये । फल विज्ञान अनुसंधान में शामिल विभिन्न प्रसिद्ध राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान संगठनों से जुड़े वैज्ञानिकों को आमंत्रित किया गया था।

कृषि विज्ञान विभाग, रा.प्र.के.कृ.वि. पूसा द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

कृषि विज्ञान विभाग, रा.प्र.के.कृ.वि. पूसा ने एन.ए.एच.ई.पी. के अंतर्गत 20-22 सितंबर, 2021 के दौरान "कृषि में वर्तमान और भविष्य की चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए कृषि विज्ञान अनुसंधान एवं शिक्षा की पुनर्रचना" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। सम्मेलन का उद्घाटन माननीय कुलपति डॉ. आरसी श्रीवास्तव, रा.प्र.के.कृ.वि. एवं डॉ. बी.एस.महापात्रा, कुलपति, बिधान चन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, मोहनपुर, पश्चिम बंगाल की उपस्थिति में हुई | कार्क्रम में डॉ. के.एम. सिंह, अधिष्ठाता कृषि स्नातकोत्तर महाविद्यालय, डॉ. बी.एस. चौहान, प्रोफेसर, क्वींसलैंड विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया, डॉ देवेंद्र सिंह, प्रमुख, कृषि विज्ञान विभाग एवं कृषि विज्ञान के सभी संकाय सदस्य शामिल थे। इस सम्मेलन में लगभग 500 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

➢ पी.जी और पीएच.डी. के छात्रों के साथ बैठक

अधिष्ठाता, कृषि स्नातकोत्तर महाविद्यालय ने विभिन्न विभागों के पी.जी और पीएच.डी. के छात्रों के साथ बातचीत बैठक की। युवा मन को अपने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित करने और प्रेरित करने के लिए यह बैठक आयोजित की गईं। छात्रों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया तथा उक्त बातों को

आत्मसात करने का संकल्प लिया। अनौपचारिक बातचीत में, छात्रों ने बिना किसी झिझक के अपने विचार और प्रतिक्रियाएं व्यक्त की। इस नवीन पहल को सभी विभागाध्यक्षों, अकादमिक समन्वयक, और सभी शैक्षणिक प्रभारीयों के सहयोग से लागू किया गया।

अनुसंधान:

➢ जेड.आर.ई.ए.सी.(ZREAC)-रबी बैठक आयोजित

क्षेत्रीय अनुसंधान और प्रसार सलाहकार समिति - जोन -1 के अंतर्गत रबी बैठक तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली में दिनांक 09 सितंबर 2021 को आयोजित की गई । अधिष्ठाता, तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली ने बैठक का उद्घाटन किया जिसमे विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। बैठक में निदेशक अनुसंधान, उप निदेशक प्रसार शिक्षा, निदेशक बीज और फार्म, वैज्ञानिक, विभिन्न के.वी.के के प्रमुख और एस.एम.एस, बिहार के जोन-1 के विभिन्न जिलों के प्रतिनिधियों और प्रगतिशील किसानों ने भाग लिया।

➢ तिरहुत कृषि महाविद्यालय ढोली में फसल समूह की बैठक आयोजित

फसल समूह की बैठक दिनांक 10 सितंबर 2021 को डॉ. अशोक कुमार सिंह, अधिष्ठाता, तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली की अध्यक्षता में हुई। इस बैठक में अखिल भारतीय समन्वित अनुसन्धान परियोजना के वैज्ञानिकों ने रबी 2021 के अपने शोध पर प्रकाश डाला। निदेशक बीज एवं फार्म, विभिन्न योजनाओं के पी.आई. और वैज्ञानिकों ने बैठक में भाग लिया।

➢ संकर बीज उत्पादन पर ऑन-फार्म प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

संकर बीज उत्पादन पर ऑन-फार्म प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। दिनांक 30.09.2021 को समस्तीपुर जिले के रामपुर समथू गांव में आयोजित प्रशिक्षण में 'जीबरेलिक एसिड (जीए3) का अनुप्रयोग' और 'हाइब्रिड धान बीज उत्पादन के लिए पूरक परागण' जैसे विषयों को शामिल किया गया। प्रशिक्षण 'किसान सहभागी संकर धान बीज उत्पादन' की परियोजना के तहत था।

➢ मसालों पर भा.कृ.अनु.प.-अखिल भारतीय समन्वित अनुसन्धान परियोजना की XXXII वार्षिक कार्यशाला में वैज्ञानिकों की भागीदारी

तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली केंद्र से मसालों पर भा.कृ.अनु.प.-अखिल भारतीय समन्वित अनुसन्धान परियोजना से जुड़े वैज्ञानिकों की टीम ने वर्चुअल मोड के माध्यम से 22-24 सितंबर, 2021 तक मसालों पर भा.कृ.अनु.प.-अखिल भारतीय समन्वित अनुसन्धान परियोजना की XXXII वार्षिक कार्यशाला में भाग लिया।

➢ परवल स्वीट के विकास के लिए लौकी का मूल्यवर्धन

बागवानी विभाग, तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली ने लौकी के विभिन्न जीनोटाइप से मूल्य वर्धित उत्पाद को 'परवल स्वीट' के रूप में तैयार करने का मानकीकरण किया ।

प्रसार गतिविधियां:

➢ **कृषि विज्ञान केंद्र तुर्की** ने दिनांक 14.09.2021 को उच्च उत्पादन प्राप्त करने के लिए फूलगोभी में तना सड़न के प्रबंधन के लिए डायग्नोस्टिक विजिट किया। सकरा प्रखंड के मुरमोहनपुर गांव में डायग्नोस्टिक विजिट का आयोजन किया गया जिसमें 31 किसानों ने भाग लिया साथ हीं खेत में फूलगोभी में तना सड़न रोग के नियंत्रण पर चर्चा की गई ।

➢ **कृषि विज्ञान केंद्र, परसौनी** ने तुर्कोलिया प्रखंड अंतर्गत मझरिया गांव में पोषण माह के अवसर पर "पोषण उद्यान उपयोग और महत्व" विषय पर प्रशिक्षण सह किसान गोष्ठी का आयोजन किया । 60 से अधिक किसानों को सहजन और लौकी के पौधे पुस्तिकाओं के साथ प्रदान कर इस कार्यक्रम से लाभान्वित कराया गया ।

➢ **कृषि विज्ञान केंद्र, परसौनी** ने पोषण माह के अवसर पर 17 सितंबर, 2021 को "पोषण माह और वृक्षारोपण अभियान" विषय पर पोषण माह और वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया। कार्यक्रम में माननीय विधायक, गोविंदगंज श्री सुनील मणि तिवारी जी उपस्थित थे। 200 से अधिक किसानों को अमरूद, सहजन और लौकी के पौधे, पोषण उद्यान के बीज, पुस्तिकाओं के साथ प्रदान कर इस कार्यक्रम से लाभान्वित कराया गया ।

➢ **कृषि विज्ञान केंद्र वैशाली और कृषि विज्ञान केंद्र बेगूसराय ने** संयुक्त रूप से "न्यूट्रिया-गार्डन के महत्व" पर ई-चौपाल का आयोजन किया। मुख्य अतिथि डॉ. मधु सूदन कुंडू निदेशक, प्रसार शिक्षा, रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा ने संतुलित आहार और बाजरा के महत्व के बारे में विस्तार से चर्चा की। अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केंद्र वैशाली और श्रीमती वर्षा कुमार ने किचन गार्डन से मौसमी सब्जियों के उपयोग के माध्यम से स्वास्थ्य और पोषण सुरक्षा के लिए पोषक उद्यान के महत्व के बारे में बताया।

➢ **कृषि विज्ञान केंद्र, सारण** ने दिनांक 07-09-2021 को "धान की फसल में कीट और रोग प्रबंधन" पर अनुकूलीत जलवायु आधारित कृषि कार्यक्रम के अंतर्गत गांव मंझवलिया में किसान प्रशिक्षण का आयोजन किया। बाहरी विशेषज्ञ डॉ. आर. के. राजन, डॉ. आभास अहमद और डॉ. प्रभात सिंह ने प्रशिक्षण में व्याख्यान दिया। बाद में, कृषि विज्ञान केन्द्र,सारण, जलवायु अनुकूलीत कृषि के सह-पीआई और रा.प्र.के.कृ.वि. के विशेषज्ञ द्वारा संयुक्त रूप से रोग प्रबंधन पर उपचारात्मक उपाय प्रदान करने के लिए एक प्रभावित धान क्षेत्र का दौरा भी किया गया था।

➢ **कृषि विज्ञान केंद्र, सारण** ने निदेशक प्रसार शिक्षा, रा.प्र.के.कृ.वि. पूसा एवं विभिन्न विभागों, किसानों, गैर सरकारी संगठनों और मीडिया आदि के 30 सैक सदस्यों के.वी.के सारण की अध्यक्षता में दिनांक 15.09.2021 को सफलतापूर्वक 14 वीं सैक बैठक का आयोजन किया ।

➢ **कृषि विज्ञान केंद्र भगवानपुर हाट सीवान** ने गरुड़ एयरोस्पेस चेन्नई द्वारा के.वी.के सीवान में रॉ कार्यक्रम के अंतर्गत किसानों और छात्रों के लिए ड्रोन का उपयोग कर कीटनाशक का छिड़काव पर विधि प्रदर्शन का आयोजन किया।

➢ **मत्स्यकी महाविद्यालय , ढोली द्वारा तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन**

मत्स्यकी महाविद्यालय , ढोली ने दिनांक 07-09 सितंबर, 2021 के दौरान भा.कृ.अनु.प.-केंद्रीय मत्स्य प्रौद्योगिकी संस्थान (सी.आई.एफ.टी.), कोचीन के सहयोग से "मछली प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन के माध्यम से अनुसूचित जाति (एस.सी.) समुदाय के बीच उद्यमिता विकास" विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में सकरा, मंसूरपुर, मुजफ्फरपुर से अनुसूचित जाति समुदाय की कुल बीस महिला किसानों ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मछली प्रसंस्करण, उत्पाद विकास और मूल्य संवर्धन के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में अनुसूचित जाति के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए आय बढ़ाने और जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए प्रौद्योगिकी को अपनाने को बढ़ावा देना था। इस प्रशिक्षण में विभिन्न मूल्यवर्धित बैटर-ब्रेड उत्पादों की तैयारी और गुणवत्ता प्रबंधन का प्रदर्शन किया गया।

➢ **कृषि विज्ञान केंद्र, तुर्की** ने दिनांक 17.09.2021 को पोषण माह अभियान और वृहत वृक्षारोपण दिवस कार्यक्रम आयोजित किया। डॉ. पी.पी. सिंह, निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र, ढोली ने स्वास्थ्य एवं संतुलित आहार के लिए पोषक उद्यान के लिए किसानों एवं कृषक महिलाओं को सब्जी के बीज वितरित किए। इस आयोजन में 223 किसानों और किसान महिलाओं ने भाग लिया। इस मौके पर माननीय प्रधानमंत्री के सीधा प्रसारण कार्यक्रम में पोषण सुरक्षा हेतु बाजरा उत्पादन पर किसानों के साथ चर्चा का प्रसारण भी किया गया ।

➢ **डी.डी.एम, नाबार्ड ने जलवायु अनुकूल कृषि परियोजना में सामुदायिक सिंचाई का दौरा किया**

श्री जयंत विष्णु, डी.डी.एम, नाबार्ड ने 28 सितंबर, 2021 को समस्तीपुर-दरभंगा राज्य राजमार्ग पर जलवायु स्मार्ट कृषि परियोजना के तहत रामपुरा और वीरसिंहपुर गांवों का दौरा किया और परियोजना के तहत सामुदायिक सिंचाई पहल के प्रदर्शन का अवलोकन किया। उन्होंने खेतों का भी दौरा किया और जलवायु स्मार्ट कृषि परियोजना के तहत प्रदर्शित फसल प्रदर्शन की समीक्षा की और 25 गोद लिए गए गांवों में वर्तमान में स्थापित 03 एच.पी सिंगल फेज सिंचाई पंपों की कार्यक्षमता और प्रदर्शन के बारे में कई किसानों के साथ चर्चा की। डी.डी.एम. ने पटना जिले में जलवायु स्मार्ट कृषि परियोजना के विस्तार पर प्रसन्नता व्यक्त की।

➢ **पूर्व उपमु-ख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी जी ने "सुखेत मॉडल" का किया दौरा**

बिहार के माननीय पूर्व उप-मुख्यमंत्री और संसद सदस्य श्री सुशील कुमार मोदी जी ने माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा "जलवायु अनुकूल किस्में, प्रौद्योगिकियां और पद्धतियां कार्यक्रम के उद्घाटन के अवसर 28 सितंबर को श्री नीतीश मिश्रा, झंझारपुर के माननीय विधायक के साथ कृषि विज्ञान केन्द्र, सुखेत के अंतर्गत विकसित "सुखेत मॉडल" का दौरा किया। सुखेत मॉडल के तहत अपनाए गए उज्ज्वला गैस कनेक्शन के उपभोक्ताओं के साथ गहन बातचीत और चर्चा के बाद श्री सुशील मोदी जी ने मॉडल की सराहना की। उन्होंने जलवायु अनुकूल कृषि गांवों मच्छी और सुखेत का भी दौरा किया और कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा चलाए जा रहे जलवायु परिवर्तन कृषि कार्यक्रम के प्रयासों की सराहना की।

पुरस्कार, खेल, महत्वपूर्ण दिवस इत्यादि

➢ **भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 71 वें जन्मदिन के** अवसर पर, मत्स्यकी महाविद्यालय , ढोली ने कलेक्ट्रेट घाट, पटना में रिवर रैन्चिंग कार्यक्रम का आयोजन किया। श्री मुकेश साहनी, माननीय मंत्री, पशु और मत्स्य संसाधन, बिहार सरकार इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप मे शामिल हुए साथ हीं गंगा नदी में भारतीय मेजर कार्प्स की 71000 मछली की फिंगरलिंग्स को छोड़ा गया।